पंरपरा | जिम के दौर में भी कायम पहलवानी का जोश, लड़कों के साथ लड़कियां भी ले रहीं प्रशिक्षण

मंडला में अखाड़ों की परंपरा जीवंत, नागपंचमी कुश्ती और परंपरा का प्रतीक

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. जहां एक ओर आधुनिक युग में फिटनेस के लिए जिम का चलन बढ़ रहा है, वहीं मंडला जिले में सदियों पुरानी अखाड़ों की परंपरा आज भी जीवंत है। नागपंचमी का त्योहार जो पारंपरिक रूप से कुश्ती और शौर्य का प्रतीक रहा है, अब धीरे-धीरे अपनी खोई हुई पहचान वापस पा रहा है। खास बात यह है कि इन अखाड़ों में लड़कों के साथ-साथ लड़कियां भी बढ़-चढ़कर पहलवानी का प्रशिक्षण ले रही हैं, जिससे यह प्राचीन खेल एक नया आयाम ले रहा है। जिले भर में लगभग पंद्रह अखाड़े सक्रिय हैं, जिनमें 250 से अधिक पहलवान नियमित रूप से प्रशिक्षण और वर्जिश करते हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिला पहलवानों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मंडला नगर में ही करीब चार अखाड़े हैं, जहां 40 से अधिक पहलवान कुश्ती के दांव-पेच सीखते हैं। 90 के दशक तक नागपंचमी पर होने वाले दंगल की प्रथा में पिछले कुछ वर्षों से अल्पविराम लग गया था, लेकिन अब व्यायाम शालाएं पुनः सशक्त हो रही हैं और उम्मीद है कि आगामी नागपंचमी पर पहलवानों की ताल ठोकने की आवाज फिर से गूंजेगी। इन अखाड़ों में नागपंचमी पर विशेष पूजा-अर्चना भी की जाती है।

अखाड़ों में शरीर बनता है मजबूत

लगभग 50 साल पुराने शिव व्यायाम शाला अखाड़ा लालीपुर के जाने-माने पहलवान शम्मी पहलवान (मंडला शेर, मंडला केसरी टाइटल विजेता) ने बताया कि जिम में बनी बॉडी जिम छोड़ने के बाद ढीली पड़ जाती है, जबकि अखाड़ों में पारंपरिक रूप से दंड मारना, गदा चलाना और रिंग में झूलने से शरीर में स्थायी मजबूती आती है। 70 साल पुराने धर्मशाला व्यायाम शाला रंगरेज घाट अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय पहलवान महादेव नंदा (सेवानिवृत्त मध्यप्रदेश पुलिस) ने बताया कि उनके समय में नागपंचमी से पहले अखाड़े की मिट्टी में सरसों का तेल, दही, नींबू, हल्दी, शुद्ध घी और कई औषधियां मिलाकर तैयार किया जाता था, जो एक तरह से औषधि का काम करती थी।

अखाड़े की मिट्टी से कुश्ती का करते है नेग

दुर्गा व्यायाम शाला नारायणगंज के पहलवान मागन सोनी ने अखाड़े की परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नागपंचमी के दिन अखाड़ों में विशेष पूजा होती है। एक सप्ताह पहले मंगलवार और शनिवार को अखाड़े की मिट्टी से पहाड़ बनाया जाता है, फिर डंबल्स, गदा और अन्य सामानों से अखाड़े का श्रृंगार किया जाता है। इसमें महावीर बजरंगबली का छायाचित्र रखकर पूजा की जाती है। नागपंचमी के बाद आने वाले शनिवार और मंगलवार को उस पहाड़नुमा मिट्टी को बराबर करके कुश्ती का नेग किया जाता है। आज भी इस अखाड़े में गुरु-शिष्य परंपरा कायम है, जहां अंदर घुसते ही उस्ताद और पहलवान जय श्रीराम का उद्घोष करते हैं। वर्तमान में दुर्गा व्यायाम शाला नारायणगंज अखाड़े में 50 से अधिक पहलवान प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिला कुश्ती संघ मंडला के भूपेन्द्र गुप्ता ने शासन और प्रशासन से नागपंचमी पर विद्यालयों में पुनः कुश्ती शुरू करने की मांग की है। इसके साथ ही जिला कुश्ती संघ के माध्यम से व्यायाम शाला स्तर पर पहलवानों को प्रोत्साहित करने के लिए नागपंचमी पर दंगलों का आयोजन किया जा रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बवलिया की बदहाली पर आयोग सख्त

सीएमएचओ से मांगा जवाब

जर्जर भवन में जान जोखिम में डालकर हो रहे प्रसव, 1987-88 से बना स्वास्थ्य केंद्र खतरे की घंटी

असुविधा | बदहाली का शिकार नारायणगंज का बवलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जान जोखिम में डालकर हो रहे प्रसव

32 हजार की आबादी को सहारा देने वाला केंद्र खुद वेंटिलेटर पर

बवलिया 27 जुलाई नभाप्र. आदिवासी बाहुल्य जिले मंडला के नारायणगंज विकासखंड में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बवलिया इन दिनों बदहाली की जीती-जागती तस्वीर बना हुआ है। सन 1987-88 में बना यह भवन अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, जिससे यहां इलाज कराने आने वाले 32 हजार की आबादी और स्वास्थ्यकर्मियों दोनों के लिए खतरा मंडरा रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति तो प्रसव कक्ष की है, जहां छत से लगातार पानी टपकने के बावजूद गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद प्रसव कक्ष में रुकना पड़ता है। यह सीधे तौर पर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। जिस पर जिला प्रशासन का ध्यान नहीं है।

जानकारी अनुसार नारायणगंज विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बवलिया में जीर्णशीर्ण भवन को रंगरोगन कर नया करने का प्रयास किया गया। लेकिन दीवार और छत की पर्याप्त मरम्मत नहीं की गई। जबकि बवलिया का यह स्वास्थ्य केन्द्र दो दर्जन से अधिक ग्राम पंचायत के लिए मायने रखता है। यहां समान्य उपचार के साथ गर्भवती महिलाएं भी पहुंचती है। लेकिन अव्यवस्थाओं के बीच उन्हें परेशान होना पड़ता है। पीएचसी बवलिया का भवन इतना पुराना और खराब हो चुका है कि इसकी छत से लगातार पानी रिसता रहता है, खासकर प्रसव कक्ष में तो हालात और भी बुरे हैं। यहां दीवारों पर सीलन और छत से टपकते पानी के बीच ही डिलीवरी कराई जाती है। मरीजों के बैठने के लिए कोई उचित जगह नहीं है, और पूरा भवन अस्त-व्यस्त स्थिति में है। दवाइयां रखने वाले कमरे की हालत भी खस्ता है, जिससे दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बवलिया में प्रति माह करीब 20 से 30 प्रसूति महिलाओं का प्रसव होता है। जहां प्रसव के बाद उपचार के लिए महिलाओं को भर्ती रखा जाता है। बारिश के मौसम के बीच प्रसव के दौरान जान जोखिम में डाल कर महिलाएं, उनके परिजन व कर्मचारी समय गुजार रहे हैं। रात दिन उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत 52 गांव आते हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 32 हजार है। इतनी बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले इस केंद्र की स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपेक्षा समझ से परे है। रात के समय प्रसूता महिलाओं के साथ आए परिजनों को खुले आसमान के नीचे या टपकती छत के नीचे रात गुजारनी पड़ती है, क्योंकि उनके रुकने या खाना बनाने की कोई सुविधा नहीं है। उन्हें अपनी व्यवस्था खुद ही करनी पड़ती है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है।

कर्मचारियों और मरीजों दोनों की बढ़ी मुश्किलें

भवन की जर्जर स्थिति के अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बवलिया में लैब टेक्नीशियन का पद भी लंबे समय से रिक्त पड़ा है। इस कारण यहां आने वाले मरीजों की आवश्यक जांचें नहीं हो पाती हैं। मरीजों को खून और अन्य जांचों के लिए या तो निवास जाना पड़ता है, या मंडला या फिर नारायणगंज की दौड़ लगानी पड़ती है, जिसमें न केवल समय और पैसा बर्बाद होता है, बल्कि इलाज में भी अनावश्यक देरी होती है। लैब टेक्नीशियन की नियुक्ति से स्थानीय लोगों और आसपास के गांवों के मरीजों को समय पर जांच की सुविधा मिल सकेगी और वे इस सरकारी अस्पताल का पूरा लाभ उठा पाएंगे।

जल्द कराया जाए नए भवन का निर्माण

ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल ध्यान दे। बवलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का जीर्णोद्धार या नए भवन का निर्माण अतिशीघ्र कराया जाना चाहिए। इसके साथ ही लैब टेक्नीशियन के रिक्त पद को भी तुरंत भरा जाना चाहिए जिससे 32 हजार की आबादी को उचित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें और उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर या दूर-दराज के इलाकों में भटककर इलाज कराने को मजबूर न होना पड़े। जब तक इस ओर ध्यान नही दिया जाता, तब तक यहां आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की मुश्किलें कम नही होंगी, और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर उनका विश्वास भी डगमगाता रहेगा।

ग्रामीण महिलाओं का दर्द

हम विगत दिवस डिलीवरी के लिए आए थे, जो हो गई है, लेकिन हमें सोने-बैठने में बहुत दिक्कत हुई। प्रसूता के साथ आए परिजनों को भी रात भर बाहर परेशान होना पड़ता है। यहां रुकने और खाना बनाने की कोई उचित व्यवस्था नही है। यह अस्पताल सिर्फ दिखाने के लिए है, शासन की योजनाएं इस भवन की वजह से हम तक ठीक से नहीं पहुंच पा रही हैं।

मुन्नी भारतीय, ग्राम धनगांव

हमने यहां आकर डिलीवरी कराई, लेकिन हमें बहुत परेशानी हुई। छत से पानी टपक रहा था और कहीं भी बैठने या सोने की जगह नहीं थी। परिजनों के रुकने की भी कोई सुविधा नहीं है। खाना बनाने की तो बिल्कुल भी व्यवस्था नही है। जिला प्रशासन को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

अंजू मरावी, ग्राम बनार

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने हाल ही में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित मामलों को संज्ञान में लिया है, जिनमें प्रथम दृष्ट्या मानव अधिकार उल्लंघन का मामला सामने आया है। इन 05 मामलों में से एक मामला मंडला जिले के नारायणगंज विकासखंड में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बवलिया का है, जिसकी बदहाली पर आयोग ने संबंधितों से जवाब तलब किया है। यह जानकारी मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग-मित्र शिकायत प्रकोष्ठ शाखा मंडला से प्राप्त हुई है।

बताया गया कि वर्ष 1987-88 में निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बवलिया का भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। यह स्थिति यहाँ इलाज कराने आने वाले मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों दोनों के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि भवन के प्रसव कक्ष की छत से लगातार पानी टपकने के बावजूद गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद इसी कक्ष में रुकना पड़ता है। यह स्थिति जच्चा-बच्चा दोनों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है और मानव अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है।

बताया गया कि इस गंभीर मामले को संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष (कार्यवाहक) राजीव कुमार टंडन ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला से जवाब मांगा है। आयोग ने सीएमएचओ को इस मामले की विस्तृत जांच कराने और व्यवस्था में सुधार के लिए की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बताया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बवलिया की यह स्थिति ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलती है और सरकार के स्वास्थ्य दावों पर प्रश्नचिन्ह लगा रही है। आयोग के हस्तक्षेप के बाद उम्मीद है कि इस स्वास्थ्य केंद्र की दशा सुधरेगी और मरीजों को सुरक्षित माहौल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल पाएंगी।

कावंडियों ने किया नर्मदा जल से महाकाल का जलाभिषेक, शिव भक्ति में लीन हुए भक्त

भावल ग्राम के युवाओं ने निकाली कांवड़ यात्रा

नारायणगंज 28 जुलाई नभाप्र. पवित्र सावन मास के अवसर पर मंडला जिले में शिव भक्ति की लहर पूरे उफान पर है। इसी क्रम में हर साल की तरह इस साल भी नारायणगंज भवाल ग्राम के युवाओं ने एक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में कुंभेश्वर घाट से नर्मदा नदी का पवित्र जल भरकर कांवड़िए कुम्हा, चीरी, लीलापुर और भवाल होते हुए भूमचैतन्य आश्रम पहुँचे। भूमचैतन्य आश्रम स्थित मंदिर में स्थापित महाकाल शिवलिंग का नर्मदा जल से पूर्ण विधि-विधान से जलाभिषेक किया गया। भूमचैतन्य आश्रम के पुजारी अजीत दुबे, समाजसेवी दुर्गेश सिंगरोरे लोधी और रणजीत राजपूत ने कांवड़ियों का तिलक वंदन कर उनका भव्य स्वागत किया, जिससे भक्तों का उत्साह और भी बढ़ गया। इस कांवड़ यात्रा में भवाल क्षेत्र के युवा कांवड़ियों के साथ मातृशक्ति ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मनीष दुबे, प्रदीप उइके, लवकेश झरिया, नितेश झरिया, दिव्यांश राजपूत, रणजीत राजपूत, शुभम ठाकुर, रामसिंह झरिया, जगदीश झरिया, बाबू राम झरिया, अनसुइया वरकड़े, आशय रिंकू जसवाल, बृजमोहन ठाकुर और राजू उइके सहित कई अन्य भक्त इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बने। महाकाल के जलाभिषेक के बाद कार्यक्रम का समापन भंडारे और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

हनुमान नाला धाम में अखंड रामायण पाठ

भुआ बिछिया 28 जुलाई नभाप्र. बिछिया नगर से मात्र 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित परम सिद्ध हनुमान नाला धाम में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ चल रहा है। इस प्राचीन और सिद्ध स्थान पर विराजित महावीर हनुमान जी की प्राचीन प्रतिमा भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है, जहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन और मनोरम स्थान का लाभ लेने आते हैं। यह अखंड पाठ 11 जुलाई श्रावण मास के प्रथम दिवस से श्री हनुमान नाला धाम आश्रम समिति द्वारा आयोजित किया गया है और पूरे श्रावण मास चलेगा। इसका समापन 9 अगस्त शनिवार को श्रावण माह के अंतिम दिन हवन-पूजन, कन्या भोज और विशाल भंडारे के साथ होगा। इस अवसर पर भुआ बिछिया और आसपास के गाँवों के धर्मप्रेमी बंधु प्रतिदिन जंगलों के बीच स्थित इस हनुमान मंदिर में दर्शन करने और रामायण पाठ में शामिल होने आ रहे हैं। वे हर प्रकार से सहयोग कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। प्रतिदिन 24 घंटे क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी बंधु आश्रम आकर रामायण का पाठ करते हैं, जिससे संपूर्ण श्रावण माह में आश्रम का भक्तिमय वातावरण बना रहता है। क्षेत्र की मातृ शक्तियाँ और वाद्य यंत्रों में प्रवीण श्रद्धालु भी प्रतिदिन श्री हनुमान नाला आश्रम में आकर रामायण पाठ कर रहे हैं।

जयप्रकाश ने बनाया अद्भुत महाकाल शिवलिंग, बिखेरी कला की अनुपम छटा

पितृ-परंपरा को आगे बढ़ा रहे युवा मूर्तिकार

संस्कृति संरक्षण में निभाई अहम भूमिका

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. पवित्र श्रावण मास में जहां चारों ओर शिव आराधना का दौर चल रहा है, वहीं मंडला शहर के सिंहवाहिनी वार्ड निवासी जयप्रकाश रावत ने अपनी अनूठी कला से सबका ध्यान आकर्षित किया है। जयप्रकाश ने शिवलिंग पर गीली मिट्टी का उपयोग करते हुए महाकाल की अद्भुत आकृति को साकार किया है, जो उनकी गहन भक्ति और कलात्मक कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मंडला जिले में कलाकारों की कोई कमी नहीं है, और जयप्रकाश रावत जैसे कलाकार इस बात को साबित करते हैं। उनके पिता स्वयं एक प्रसिद्ध मूर्तिकार हैं और जयप्रकाश अपने पिता की इस पारंपरिक कला को आगे बढ़ाने का सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान समय में जब युवा पीढ़ी परंपराओं और संस्कृति से विमुख होती जा रही है, ऐसे में जयप्रकाश रावत जैसे कलाकार बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। वे न केवल अपनी पैतृक कला को जीवित रख रहे हैं, बल्कि अपनी रचनात्मकता से इसे एक नया आयाम भी दे रहे हैं।

गीली मिट्टी से महाकाल की आकृति को इतने सजीव रूप में ढालना निश्चित तौर पर असाधारण प्रतिभा का परिचायक है। समाज सेवी सुधीर कासंकार का कहना है कि मंडला में ऐसी कई छिपी हुई प्रतिभाएं हैं, जिन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन मिलने पर वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं। जयप्रकाश का यह कार्य न केवल उनकी व्यक्तिगत भक्ति, बल्कि समाज में कला और संस्कृति के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ अन्य लोगों के लिए प्रेरणा भी है। ऐसे युवा कलाकारों को पहचान और समर्थन मिलना चाहिए जिससे वे अपनी कला को और निखार सकें और अपनी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचा सकें।

एनसीसी कैडेट्स ने किया पौधरोपण

नैनपुर 28 जुलाई नभाप्र. शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीसी मेश्राम के निर्देशन और एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. राजेश मासतकर के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन राहुल विश्वकर्मा ने किया। कैप्टन डॉ. राजेश मासतकर ने बताया कि यह विशेष पौधारोपण अभियान प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम और प्रादेशिक सेना की पहल भागीदारी और जिम्मेदारी का हिस्सा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी को बनाए रखना और स्थानीय समुदायों के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कैप्टन डॉ. राजेश मासतकर, सीनियर अंडर ऑफिसर सूर्या सरोते, अंडर ऑफिसर प्रकाश मसराम, अंडर ऑफिसर खुशी पटेल, सार्जेंट सौरभ मर्सकोले, लॉन्स कारपोरल सुशीला मरकाम, कैडेट शीतल यादव, संध्या उइके, कल्पना मरकाम और नीतू उइके सहित कई कैडेट्स उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर एक-एक पौधा लगाया और पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया।

हरियाली तीज पर महिलाओं ने हरे रंग में किया श्रावण माह का स्वागत

भुआ बिछिया 28 जुलाई नभाप्र. भगवान भोलेनाथ और देवी पार्वती को समर्पित श्रावण मास हमारे देश में एक महत्वपूर्ण त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में हरियाली तीज के पर्व पर बिछिया नगर की महिलाओं ने हरे रंग के सुंदर परिधान धारण कर इस उत्सव का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर नगर की महिलाओं द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें महिलाओं ने पूरी श्रद्धा से आराधना की। इसके बाद आमंत्रित अतिथियों का पुष्पगुच्छ और तिलक वंदन से स्वागत किया गया। महोत्सव के दौरान महिलाओं ने मनोरंजक खेलों में हिस्सा लिया, छोटे-छोटे गेम्स खेले और हरियाली के मौसम से जुड़े सुंदर गीत-नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर बिछिया नगर अध्यक्ष रजनी मरावी, अरुणा दीक्षित, रेखा दीक्षित, शशि मिश्रा, राधा झरिया, मेघा जोध सहित ग्रुप की सभी महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें ललिता मिश्रा, मीता चौबे, नीलम सोनी, नेहा सोनी, धारवी झरिया, आरती साहू, श्रेया मिश्रा, पिंकी झरिया, ज्योति कटारिया, राधा यादव, गीता साहू, मुस्कान रावलनी, पूजा द्विवेदी, प्रीति रावलनी, सुनंदा जाधव और नगर व क्षेत्र की अनेक अन्य महिलाएं भी शामिल रही।

नैनपुर रेलवे अंडरब्रिज का अधूरा निर्माण, खुले सरिया और गड्ढे

अधिकारी बड़ी दुर्घटना का कर रहे इंतजार

छात्र सरिया में फँसकर गिरा, बड़ा हादसा टला

नैनपुर 28 जुलाई नभाप्र. नैनपुर रेलवे विभाग के सहायक अभियंता और आईओडब्ल्यू अधिकारियों की घोर लापरवाही नागरिकों के लिए मुसीबत बन गई है। वार्ड क्रमांक 6 और 8 के बीच बने रेलवे अंडरब्रिज का निर्माण कार्य पिछले 15 दिनों से अधूरा पड़ा है और ठेकेदार इसे बंद करके चला गया है। अधूरे निर्माण स्थल पर फैले कांक्रीट के गड्ढे और खुले लोहे के सरिए किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं, लेकिन रेलवे के अधिकारी इस खतरे को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। बताया गया कि वर्तमान में अंडरब्रिज की सड़क के किनारे गिट्टी और रेत का ढेर लगाकर आवागमन चालू रखा गया है। रेलवे अधिकारियों ने केवल एक छोटा सा सावधान, निर्माण कार्य प्रगति पर है का साइन बोर्ड लगाकर अपनी औपचारिकता पूरी कर ली है, जो ठीक से दिखाई भी नहीं देता। इस लापरवाही से स्पष्ट है कि अधिकारियों को अंडरब्रिज की वर्तमान स्थिति से कोई सरोकार नहीं है और वे किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं। यह अंडरब्रिज हजारों नागरिकों, स्कूली छात्रों और दोपहिया व चारपहिया वाहनों के आवागमन का मुख्य मार्ग है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग यहाँ से गुजरते हैं। यदि रेलवे अधिकारी इन कांक्रीट के गड्ढों और खुले हुए लोहे के सरियों को जल्द ठीक नहीं कराते हैं, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। बताया गया कि सोमवार सुबह स्कूल जाते समय एक छात्र अपनी साइकिल से अंडरब्रिज से गुजर रहा था, इसी दौरान वह खुले हुए लोहे के सरिए में फँसकर गिर गया। गनीमत रही कि छात्र तुरंत संभल गया और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना ने रेलवे के आला अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सौम्या ने जबलपुर में फ्रेम एंड फेम अवॉर्ड 2025 में बिखेरा जलवा

शोस्टॉपर मॉडल के रूप में सौम्या ने जीता सम्मान, मंडला जिले का बढ़ाया गौरव

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. जबलपुर में आयोजित प्रतिष्ठित फ्रेम एंड फेम अवॉर्ड 2025 के फैशन शो में मंडला जिले की बेटी सौम्या खरे ने बतौर शोस्टॉपर मॉडल शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सौम्या खरे पुनीत खरे और सपना खरे की सुपुत्री हैं जो अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। सौम्या को उनके बेहतरीन रैंप वॉक और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आयोजित फ्रेम एंड फेम अवॉर्ड में उन्हें क्राउन, ट्रॉफी और सैश पहनाकर उनकी उपलब्धि को सराहा गया। उन्होंने जबलपुर के प्रसिद्ध फैशन ब्रांड श्री डिजाइनर द्वारा तैयार की गई आकर्षक पोशाक पहनकर रैंप पर अपने जलवे बिखेरे। दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सौम्या ने अपनी छाप छोड़ी और फैशन की दुनिया में अपना परचम लहराया। सौम्या की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल उनके माता-पिता बल्कि पूरे मंडला जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है। सौम्या की सफलता युवा प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरी है, जो उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सौम्या ने यह साबित कर दिया है कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी बड़े मंचों पर अपनी चमक बिखेर सकती हैं।

मवई से पॉडातराई शिवधाम तक निकाली कांवड़ यात्रा

बोल बम के जयकारों से गूंजा मवई, 15 गांवों के 150 श्रद्धालु हुए शामिल

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. भक्ति और आस्था के पावन संगम का साक्षी बना मवई नगर, जहाँ वनवासी सेवा परिषद अंचल मवई के तत्वावधान में कबीरधाम स्थित पवित्र डूगरियॉ, पॉडातराई शिवधाम के लिए भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कांवड यात्रा में मवई और आसपास के लगभग 15 गांवों के 150 श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति-भाव के साथ शामिल हुए। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। यात्रा के स्वागत एवं पूजन कार्यक्रम में मवई क्षेत्र के सक्रिय समाजसेवी डॉ. आनंद मरावी, संगठन प्रतिनिधि किशोरी साहू, राजू कुड़ापे, कैलाश डहरिया मवई सरपंच प्रभारी कैलाश धुर्वे सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं में समाजसेवी भरत चक्रवर्ती, अजय श्रीवास, मोहन साहू, दीपक रोहरा, अमरजीत चौहान शामिल रहे। इन सभी ने उपस्थित होकर श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कबीरधाम स्थित पवित्र डूगरियॉ, पॉडातराई शिवधाम यात्रा को पैदल पूर्ण करने वाली मवई निवासी मीरा श्रीवास का विशेष सम्मान एवं स्वागत किया गया। उन्होंने अपने संकल्प, निष्ठा, भक्ति से समस्त श्रद्धालुओं को प्रेरणा प्रदान की। कावड़ यात्रा का आरंभ ढोल-नगाड़ों की थाप और बोल बम के गगनभेदी नारों के साथ हुआ। इन जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और एक अलौकिक ऊर्जा का संचार हुआ। श्रद्धालु भगवा वस्त्र धारण किए हुए, अपने कंधों पर कावड़ लिए कबीरधाम स्थित डूगरियॉ, पॉडातराई शिवधाम की ओर रवाना हुए।

कान्हा प्रबंधन आज मनाएगा अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. प्रतिवर्ष 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस में कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस साल भी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन आज 29 जुलाई को प्रातः 11 बजे से भारत ज्योति विद्यालय मंडला में किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य बाघों के संरक्षण के प्रति समाज, विशेषकर बच्चों में जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में मंडला शहर के पाँच विद्यालयों के लगभग 50 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे, जो अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन चित्रकला और क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से करेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की उत्कृष्ट चित्रकला को एक प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे उनकी प्रतिभा को मंच मिल सके।

आरोप | कांग्रेस यूथ अध्यक्ष ने एसपी से की शिकायत, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

भाजपा नेता पर बंदूक दिखाकर धमकाने का आरोप

मंडला 28 जुलाई नभाप्र. जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशीष जैन ने भाजपा नेता और शराब ठेकेदार राजेश पटेल और उनके साथी रवि डब्बू राय पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। आशीष जैन ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी है। आशीष जैन ने अपने आवेदन में बताया है कि रविवार की रात जब वे परसवाड़ा से मंडला लौट रहे थे, इसी दौरान बम्हनी बस स्टैंड के पास राजेश पटेल और उनके साथियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस अधीक्षक को की गई शिकायत में आशीष जैन ने बताया कि 27 जुलाई की रात जब वह परसवाड़ा से लौट रहे थे, इस दौरान राजेश पटेल ने उन्हें बम्हनी के पास बंदूक दिखाकर धमकाया। आशीष जैन ने बताया कि राजेश पटेल और उनके साथी 4-5 वाहनों से उन्हें घेरा और रास्ता रोककर गाड़ी पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्होंने अपना मोबाइल चालू किया और कैमरा ऑन किया और आरोपी पीछे हट गए। आशीष जैन ने घटना का एक वीडियो भी पुलिस अधीक्षक को सौंपा है, जिसमें राजेश पटेल बंदूक लेकर वाहन से उतरते हुए नजर आ रहे हैं। आशीष जैन ने पुलिस अधीक्षक से राजेश पटेल और डब्बू राय के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने बम्हनी थाने में भी इस संबंध में आवेदन दिया है। भाजपा नेता राजेश पटेल ने इन आरोपों का खंडन किया है। उनका कहना है कि बम्हनी थाना अंतर्गत मुगदरा उनका गाँव है और वे कृषि व अन्य कार्यों के लिए वहाँ आते-जाते रहते हैं। राजेश पटेल ने बताया कि रविवार की रात 12 से 1 बजे के बीच वे बम्हनी में थे। इस दौरान एक बिना नंबर के वाहन में सवार 6 से 7 लोग उनकी गाड़ी को कट मारकर गाली देते हुए आगे बढ़े। उन्होंने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी थी। राजेश पटेल ने बताया कि उनके दोस्त, गनमैन और वे खुद गाड़ी के पास समझाने के लिए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपनी सुरक्षा के लिए वे अपनी लाइसेंसी बंदूक के साथ वाहन से उतरे थे। उन्होंने बताया कि दूसरे वाहन में कांग्रेस नेता आशीष जैन थे। इस संबंध में उन्होंने भी बम्हनी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

इनका कहना है

वीडियो के आधार पर आवेदक पक्ष ने आवेदन दिया है, आवेदन को तत्काल एसडीओपी मंडला को देकर दो दिनों में मामले की संपूर्ण जांच कराई जाएगी।

रजत सकलेचा

पुलिस अधीक्षक, मंडला